

अफ्रीकी गैंडा

हाल ही में एक रिपोर्ट में कहा गया है कि अफ्रीका में गैंडे के शिकार की दर वर्ष 2021 में घटकर 2.3% रह गई है, जो कि वर्ष 2018 में 3.9% थी।

- वर्ष 2018 और 2021 के बीच अफ्रीका में कम से कम 2,707 गैंडों का शिकार किया गया, जिनमें गंभीर रूप से संकटग्रस्त काले गैंडे और संकट के निकट सफेद गैंडे शामिल हैं।

रिपोर्ट से संबंधित प्रमुख नष्कर्ष:

परिचय:

- इस रिपोर्ट को [प्रकृति के संरक्षण के लिये अंतरराष्ट्रीय संघ \(IUCN\)](#), प्रजाति जीवन रक्षा आयोग (SSC), अफ्रीकी और एशियाई राइनो वशेषज्ज समूह (AfRSG) और [ट्रैफिक \(TRAFFIC\)](#) द्वारा संकलित किया गया था।
- AfRSG ने राइनो रेंज के तेरह देशों से जानकारी एकत्र की है:
 - बोत्सवाना, चाड, इस्वातनी, केन्या, मलावी, मोज़ाम्बिक, नामीबिया, रवांडा, दक्षिण अफ्रीका, तंजानिया, युगांडा, जाम्बिया और ज़िम्बाब्वे।

रिपोर्ट के नष्कर्ष:

- अफ्रीका में गैंडे के शिकार की दर वर्ष 2015 में कुल आबादी के 5.3% से गिरकर वर्ष 2021 में 2.3% हो गई है।
- दक्षिण अफ्रीका में मुख्य रूप से सफेद गैंडों को प्रभावित करने वाले सभी मामलों का 90% हिस्सा करूगर राष्ट्रीय उद्यान से संबंधित है।
- दक्षिण अफ्रीका ने वर्ष 2020 में अवैध शिकार के कारण 394 गैंडे मारे गए, जबकि केन्या में उस वर्ष कोई अवैध शिकार दर्ज नहीं किया।

अफ्रीका में गैंडे:

- वर्ष 2021 के अंत तक अफ्रीका में गैंडों की संख्या का कुल अनुमान 22,137 था।
- नज्जी क्षेत्र में अवैध शिकार में वृद्धि हुई है।
 - वर्ष 2021 में दक्षिण अफ्रीका में कुल 451 गैंडों का शिकार किया गया:
 - 327 सरकारी क्षेत्र के भीतर और 124 नज्जी क्षेत्रों में।
- वर्ष 2015-18 के दौरान महाद्वीप में सफेद गैंडों की संख्या में लगभग 8% की गिरावट आई, जबकि काले गैंडों की आबादी में केवल 12.2% की वृद्धि हुई।
- अफ्रीका के चार रेंज देशों अर्थात् दक्षिण अफ्रीका, नामीबिया, केन्या और ज़िम्बाब्वे में अफ्रीकी गैंडों की सबसे बड़ी आबादी का संरक्षण किया जाता है।

काले गैंडों और सफेद गैंडों से संबंधित मुख्य बंदि:

काले गैंडे :



■ परचिय:

- काले गँडे दोनों अफ्रीकी गँडे प्रजातियों में छोटे होते हैं।
- सफेद और काले गँडों के बीच सबसे उल्लेखनीय अंतर उनके झुके हुए ऊपरी हॉट हैं।
 - जबकि सफेद गँडे के हॉट चौकोर होते हैं।
- काले गँडे चरने के बजाय ब्राउज़ (ऐसे जानवर जो पेड़ों की छाल और पत्ती खाते हैं) करते हैं और उनके नुकीले हॉट उन्हें झाड़ियों तथा पेड़ों से पत्तियों को खाने में मदद करते हैं।
- उनके दो सींग होते हैं और कभी-कभी इन सींगों के पीछे, एक तीसरा छोटा सींग होता है।

■ वैज्ञानिक नाम:

- डिसिरोस बाइकोर्नसिस (Diceros bicornis)

■ प्राकृतिक वास:

- अर्ध-रेगसिस्तान सवाना, आर्द्रभूमि, वन, वनभूमि

■ संरक्षण की स्थिति:

- [IUCN रेड लिस्ट](#): गंभीर रूप से लुप्तप्राय
- [CITES](#): परशिष्ट।
- [वनयजीव \(संरक्षण\) अधिनियम, 1972](#): अनुपरयोज्य

सफेद गँडा:



■ परचिय:

- हाथी के बाद सफेद गँडे दूसरे सबसे बड़े भूमि स्तनपायी हैं।
- सफेद गँडे को उनके चौकोर (नुकीले नहीं) ऊपरी हॉट के कारण चौकोर हॉट वाले गँडे के रूप में भी जाना जाता है।
- अफ्रीका में दो आनुवंशिक रूप से अलग-अलग उप-प्रजातियाँ मौजूद हैं जो उत्तरी और दक्षिणी सफेद गँडे के रूप में जाने जाते हैं जो अफ्रीका के दो अलग-अलग क्षेत्रों में पाए जाते हैं।

■ वैज्ञानिक नाम:

- सीराटोथेरियम समिम (Ceratotherium simum)
- **प्राकृतिक वास:**
 - लंबी और छोटी घास वाले सवाना क्षेत्र ।
- **संरक्षण स्थिति:**
 - **IUCN रेड लिस्ट:** लुप्तप्राय
 - **CITES:** परशिषिट I और परशिषिट II
 - **वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972:** अनुप्रयोज्य

गैंडों के अन्य प्रकार:

ग्रेटर वन हॉर्नड गैंडा:



- **परिचय:**
 - एशिया की गैंडों की सबसे बड़ी प्रजाति, जिसे भारतीय राइनो के नाम से भी जाना जाता है ।
- **वैज्ञानिक नाम:**
 - राइनोसोरेस यूनिकोर्नसि
- **IUCN स्थिति:**
 - संवेदनशील
- **प्राकृतिक वास:**
 - उष्णकटिबंधीय घास का मैदान, झाड़ियाँ, सवाना
- **वितरण:**
 - भारत और नेपाल

सुमात्रा गैंडा:



- **परचिय:**
 - वूली राइनोसोरेस के नकिटतम सापेक्ष जीवति । अकेली प्रजातयिँ जसिपर अभी भी बाल से ढके हुए हैं ।
- **वैज्ञानिक नाम :**
 - डाइसेरोरनिस सुमाट्रेनसिस
- **IUCN स्थिति:**
 - गंभीर रूप से लुप्तप्राय
- **प्राकृतिक वास:**
 - उष्णकटबिंधीय और उपोष्णकटबिंधीय वन
- **वतिरण:**
 - सुमात्रा, सबाह

जावन गैंडा:



- **परचिय:**
 - दुनिया के सभी जावा गैंडे उजोंग कुलोन नेशनल पार्क में जीवित रह पाते हैं।
- **वैज्ञानिक नाम:**
 - राइनोसोरेस सोंडाइकस
- **IUCN स्थिति:**
 - गंभीर रूप से लुप्तप्राय
- **आवास:**
 - उष्णकटबिंधीय और उपोष्णकटबिंधीय वन
- **वितरण:**
 - सुमात्रा, सबाह

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न (PYQs)

प्रश्न. नमिनलखिति कथनों पर वचिार कीजयि: (2019)

1. एशयिाई शेर प्राकृतकि रूप से भारत में ही पाया जाता है।
2. दो कूबड़ वाला ऊँट प्राकृतकि रूप से भारत में ही पाया जाता है।
3. एक सींग वाला गैंडा प्राकृतकि रूप से भारत में ही पाया जाता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) केवल 1 और 3
- (d) 1, 2 और 3

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- एशयिाई शेर कभी फारस (ईरान) से लेकर पूरवी भारत तक के कषेत्रों में पाए जाते थे। 1890 के दशक के अंत तक एशयिाई शेर गुजरात, भारत के गरि वन कषेत्र तक सीमति हो। राज्य और केंद्र सरकार के नरिंतर प्रयासों से, एशयिाई शेरों की आबादी वर्ष 2015 में 523 से बढकर वर्ष 2020 में 674 हो गई। **अतः कथन 1 सही है।**
- दोहरे कूबड़ वाला ऊँट मूलतः **गोबी रेगसितान** में पाया जाता है और ठंडे रेगसितानों के वसितृत इलाकों, जैसे मंगोलयिा, चीन, कजाकसितान, तुर्कमेनसितान, उजबेकसितान और अफगानसितान के कुछ हसिसों में भी यह ऊँट देखने को मलि जाते हैं। **अतः कथन 2 सही नहीं है।**
- एक सींग वाले गैंडे उत्तर-पूरवी भारत और नेपाल के तराई घास के मैदानों में पाए जाते हैं। **अतः कथन 3 सही नहीं है।**

अतः वकिल्प (a) सही है।

[स्रोत: डाउन टू अर्थ](#)